बिजली की मांग पहुंची 5528 मेगावॉट

बीएसईएस के कदमों से मिली उपभोक्ताओं को राहत

नई दिल्लीः 18 जून, 2014। आज शाम 4 बजकर 8 मिनट पर दिल्ली में बिजली की मांग, नया रेकॉर्ड बनाते हुए 5528 मेगावॉट तक पहुंच गई। यह इस साल अब तक की सर्वाधिक डिमांड है। लेकिन इन गर्मियों में बिजली की मांग बढ़कर 6000 मेगॉट के आंकड़े को छूने का अनुमान है। हालांकि पिछले साल यह मांग 5653 मेगावॉट तक पहुंची थी।

अपने इलाके में बिजली की स्थिर आपूर्ति बहाल रखने की बीएसईएस की हमेशा से कोशिश रही है। हमारे प्रयासों में कुछ बाहरी कारणों की वजह से कई बार बाधाएं आती हैं। वे बाहरी कारण बिजली वितरण कंपनियों के नियंत्रण से बाहर हैं।

राजधानी दिल्ली की बिजली व्यवस्था पर 30 मई को आए भयानक तूफान की वजह से काफी नकारात्मक प्रभाव पड़ा था। दिल्ली ट्रांसको समेत बिजली उत्पादन और वितरण कंपनियों की ओएंडएम टीमों के साझा और लगातार प्रयासों की वजह से बिजली आपूर्ति को जल्द से जल्द बहाल करने की कोशिश की गई।

ज्यादातर बड़ी बाधाओं को दूर कर लिया गया है और बिजली की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। आने वाले दिनों में इसके पूरी तरह से सामान्य होने की उम्मीद है। तब तक के लिए रोटेशनल यानी क्रमिक आधार पर लोड शेडिंग की जा रही है। लोड शेडिंग शेड्यूल को बीएसईएस की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है।

उपभोक्ताओं की असुविधा को कम करने के लिए बीएसईएस की बिजली कंपनियों ने ये कदम उठाए हैंः

मोबाइल पेट्रोलिंग टीमेंः बीएसईएस की सभी 33 डिविजनों में मोबाइल पेट्रोलिंग टीमों का गठन किया गया है, जो ब्रेक डाउन को ठीक करने के बाद उस इलाके का दौरा करती है। ऐसा करके ये टीमें यह सुनिश्चित करती हैं कि ब्रेकडाउन वास्तव में ठीक हो गया है।

कॉल सेंटर की क्षमता 60 प्रतिशत बढ़ाई गईः अतिरिक्त फोन लाइनें जोड़ने के अलावा, बीएसईएस की बिजली कंपनियों ने अपने कॉल सेंटरों पर 445 प्रतिनिधियों को तैनात किया है। ये प्रतिनिधि उपभोक्ताओं की शिकायतें सुनकर, निपटारे के लिए उन्हें आगे भेजते हैं।

पीक आवर में खास मॉनिटरिंगः पीक आवर के दौरान बिजली आपूर्ति को सही तरीके से मॉनिटरिंग करने और शिकायत मिलने पर त्वरित कार्रवाई करने के लिए सर्कल और सेंट्रल कंट्रोल रूम्स के सीनियर अधिकार खुद तैनात रहते हैं।

ग्रिडों पर अतिरिक्त तैनातीः पश्चिमी दिल्ली के ग्रिडों पर अतिरिक्त स्टा फ की तैनाती की गई है, जहां बाधाओं की वजह से बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है। किसी ट्रिपिंग या अन्य कारणों की वजह से अगर बिजली आपूर्ति प्रभावित होती है, तो ये टीमें तुरंत कार्रवाई कर रही हैं।

कस्टमर सलाहकारों की नियुक्तिः संवेदनशील शिकायत केंद्रों पर 66 कस्टमर सलाहकारों की नियुक्ति की गई है ताकि कॉल सेंटर, शिकायत केंद्रों और उपभोक्ताओं के बीच सूचनाओं की आदान–प्रदान होता रहे।

सब–ट्रांसमिशन लिंक्स फिर से चालूः ऑपरेशन कोऑर्डिनेशन कमिटी में चिह्नित किए गए महत्वूपर्ण ट्रांसमिशन लिंक्स को बीएसईएस डिस्कॉम्स ने फिर से चालू यानी रिवाइव किया है।

बीआरपीएल– 66 केवी हस्तसाल–जीजीएसएच सर्किट 1 को 14 जून को रिवाइव किया गया और 16 जून को रोहतक रोड–मोदीपुर सर्किट को रिवाइव किया गया।

बीवाईपीएलः घोंडा–सीलमपुर–द्वारकापुर1 को 7 जून को रिवाइव किया गया और 220 पटपड़गंज से अंगदनगर सिंगल केबजल को 13 जून को रिवाइव किया गया।

लोड शेडिंग शेड्यूल वेबसाइट पर डाली जा रही है।

नेटवर्क का आधुनिकीकरणः अगल हफ्ते के आखिर तक बीआरपीएल अपने बुडेला, जी–2 और सरिता विहार ग्रिडों पर अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर लगाने का काम पूरा कर लेगा। 15 दिनों के भीतर 18 नए ट्रांसफॉर्मर लगाए जाएंगे। इसके अलावा, 22 केवी ट्रॉमा सेंटर और 33 केवी भीकाजा कामा ग्रिड के बीच बीआरपीएल एक लिंक स्थापित करने जा रही है, जिससे साउथ दिल्ली में बिजली आपूर्ति को और बेहतर बनाया जा सकेगा।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल व बीवाईपीएल अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।